Title: Need to take steps to solve electricity problem in Uttar Pradesh.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : महोदय, आज के वैंतावरण में विकास के लिए बिजली की अहम् भूमिका है। उत्तर प्रदेश में 2,600 मैगावाट की बिजली की जरूरत है जिसे हाइडल, थर्मल और नैशनल पॉवर ग्रिड से खरीद कर पूरी की जाती है, किन्तु आज उत्तर प्रदेश में लगभग 1,800 मैगावाट बिजली कम आपूर्ति हो रही है जिसका परिणाम है कि प्रदेश के अलग-अलग भागों में चार घंटे से लेकर 16 घंटे तक बिजली कटौती जारी है। एन.टी.पी.सी. का 4000 करोड़ रुपया बकाया है जिसकी अदायगी न करने के कारण एन.टी.पी.सी. ने बिजली की सप्लाई न करने का पड्डैसला किया है। दरअसल बिजली की समस्या कीमतें बढ़ाकर अधिक राजस्व प्र ाप्त करने से हल होने वाली नहीं है वरन् जो चोरी और उसके डिस्ट्रीब्यूशन तथा ट्रांसमीशन में हानि होती है उसे रोकने की जरूरत है। अतः मेरा सुझाव है कि राज्य ि वद्युत बोर्ड की कार्य-कुशलता को बढ़ाया जाए और वर्तमान बिजली उत्प्पादक इकाइयों में स्थापित उत्प्पादन क्षैमता का भरपूर उपयोग कर जहां एक ओर बिजली के उत्प्पादन में बढ़ोत्तरी करनी होगी वहीं दूसरी ओर उसकी उत्प्पादन लागत को भी सस्ता करना होगा।